साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 186 | जौनपुर, बुधवार, 03 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

वीवीपीएटी के मुद्दे पर चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने चुनावों में सभी वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों की गिनती की मांग करने वाली याचिका पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को सुप्रीम कोर्ट के नोटिस की सराहना करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहला कदम था। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि वीवीपीएटी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने आज चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने इंडिया गठ बंधन के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इंकार कर दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी मांग थी कि ईवीएम में जनता का विश्वास बढ़ाने और चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए टटच्ज पर्चियों के 100 : मिलान किए जाएं। इस संबंध में यह नोटिस पहला और काफी महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी सार्थकता के लिए, चुनाव शुरू होने से पहले ही मामले पर निर्णय लिया जाना चाहिए। वीवीपीएटी एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है जो मतदाता को यह देखने की अनुमति देती है कि उसका मत सही डाला गया है या नहीं। सिस्टम एक पेपर स्लिप उत्पन्न करता है जिसे मतदाता देख सकता है और पेपर स्लिप को एक सीलबंद कवर में रखा जाता है और विवाद की स्थिति में इसे खोला जा सकता है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की पीठ ने वकील और कार्यकर्ता अरुण कुमार अग्रवाल द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी किया।

बुजुर्ग नागरिकों को छूट ना देकर हुआ रेलवे ने चार साल में कमाए 5800 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय रेलवे देश भर में बुजुर्ग नागरिकों को रेलवे यात्रा करने के दौरान खास छूट प्रदान करती है। हर बुजुर्ग रेलवे यात्री यात्रा करने से पहले छूट के लिए आवेदन कर सकता है। हालांकि सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए एक सवाल से बड़ी जानकारी सामने आई है। आरटीआई लगाकर पूछने पर पता चला है कि सीनियर सिटीजन यानी बुजुर्गों को दी जाने वाली रियायतें भारतीय रेलवे वापस ले चुका है जिसके बाद भारतीय रेलवे ने बुजुर्गों से भी अधिक राजस्व इकट्ठा किया है। इस तरह बुजुर्गों को छूट ना देकर भारतीय रेलवे को 5800 करोड रुपए का फायदा हुआ है। इस समय ही भारतीय रेलवे ने सीनियर सिटीजन को किराए में मिलने वाली छूट वापस ले ली थी। इस दौरान महिला यात्रियों को ट्रेन किराए में 50 फिजी और पुरुष व ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों को 40 फीसदी की रियायत दी जाती थी। हालांकि छठ की सुविधा वापस लेने के बाद बुजुर्ग यात्रियों से भी अन्य यात्रियों की तरह सामान्य किराया ही वसूला जाता है।

चुनाव देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए लड़ रहे इंडिया गठबंधन के नेता - पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव जीतने पर आगजनी की धमकी दे रहे हैं। मोदी ने राजस्थान के कोटपूतली में एक रैली में कहा कि यह चुनाव आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए है। मोदी कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन यह चुनाव देश के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ के लिए लड़ रहे हैं...वे कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ, मोदी कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ। अपना वार जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि यह पहला चुनाव है जिसमें कांग्रेस पार्टी के नेता खुद चुनाव जीतने की बात नहीं कर रहे बल्कि देश को धमकी दे रहे हैं कि अगर बीजेपी जीती तो देश में आग लग जाएगी। मोदी ने कहा कि 2024 के इस चुनाव में देश की सियासत फिर 2 खेमों में बंटी नजर आ रही है। एक तरफ राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेकर चलने वाली भाजपा है, तो दूसरी तरफ देश को लूटने के मौके तलाशने वाली कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर देश को परिवार मानने वाली भाजपा है, तो दूसरी ओर अपने परिवार को देश से बड़ा मानने वाली कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि आज एक ओर दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने वाली भाजपा है, तो दूसरी ओर विदेश में जाकर भारत को गाली देने वाली कांग्रेस है। ऐसी देशविरोधी, परिवारवादी ताकतों के खिलाफ राजस्थान हमेशा खड़ा रहा है। 2014 में राजस्थान ने बीजेपी को 25 की 25 सीटें दी थी। राजस्थान ने 2019 में भी एनडीए को 25 की 25 सीटें दी थी। अब 2024 में भी राजस्थान 25 की 25 सीटें देने का फैसला कर चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 का ये चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। ये चुनाव, विकसित राजस्थान और विकसित भारत के संकल्प का चुनाव है। पूरा राजस्थान कह रहा है 4 जून – 400 पार! उन्होंने कहा कि ये चुनाव – भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए है। भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए है। आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए है।

हमारे वादे और दावे खोखले नहीं, जो कहते हैं, वो करते हैं – ब्रजेश पाठक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि ष्हमारे वादे और दावे खोखले नहीं होते। हम जो वादा करते हैं, उसे निभाते हैं और जो कहते हैं, वो करते हैं। यही कारण है कि आज देश की जनता हमारे साथ है। इस बार हम 400 से अधिक सीटें जीतकर इतिहास रचने वाले हैं। अलीगढ़ में सांसद सतीश गौतम की नामांकन सभा में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है, वे तीसरी बार प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। सोमवार को अलीगढ़ के विद्या नगर पार्क में आयोजित नामांकन सभा में उन्होंने उपस्थित जनसमूह से सांसद सतीश गौतम को पुनः संसद पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपका एक वोट अलीगढ़ को विकास पथ पर और आगे लेकर जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूपी के 80 कमलों की माला पहनेंगे तो उसमें से एक कमल अलीगढ़ का भी होगा। हमने हर वादा पूरा किया है। हमारे दावे खोखले नहीं होते। श्रीराम मंदिर हो या फिर आर्टिकल–370 हटाए जाने का मसला, हमारी सरकार अपने हर फैसले पर अडिग रहती है। हमारी सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और समाज के हर वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। हमारे सभी प्रत्याशी प्रचंड जीत की ओर अग्रसर हैं।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रीता शुक्ला ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केंद्र व राज्य सरकार से प्रभावित होकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य कछौना तृतीय हरदोई की प्रमुख

समाज सेविका रीता शुक्ला ने लखनऊ में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने आवास पर भाजपा की सदस्यता दिलाई मौके पर आनंद द्विवेदी महानगर उपाध्यक्ष भाजपा मौजूद रहे। इससे भाजपा को हरदोई और मिस्रिख लोकसभा चुनाव में भाजपा और मजबूती मिलेगी। रीता शुक्ला ने कहा संकल्प लिया अबकी बार 400 पार का नारा देते हुए कहा कि पार्टी ने जनता की हमेशा सेवा की है और करते रहेंगे। हर पात्र को सरकार योजनाओं का लाभ दे रही है जिससे वह समाज की मुख्य धारा में जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में कई गांव ऐसे हैं जहां पर बरसात के महीनों में पानी भरा रहता था। वहां पर रोड डलवाकर लोगों को आने जाने की सुविधा दी है। गांवों में घर–घर शौचालय बनवाए गए। लोगों के आवास बनवाए गए। सरकार ने हर गरीब को मुफ्त राशन दिलवाया। किसी व्यक्ति को भूखा नहीं रखा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में किसी के भी पास कच्चा घर नहीं होगा। सरकार का प्रयास है कि हर किसी को पक्की छत मिले भाजपा सरकार मे बहुत विकास हुए इस से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया।

अयोध्या स्वामी महेश योगी द्वारा अनवरत 11 दिवसीय कपालभाति प्राणायाम करने की साधना से बनेगा विश्व रिकार्ड

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पच्छी अयोध्या के लोकप्रिय संत महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने योग, कला व साहित्य में अनेकों विश्व रिकार्ड बना कर यशची भारत का गौरव बढ़ाया है। उसी क्रम में अब श्री योगी जी ने योग मैं अब तक का सबसे बड़ा विश्व कीर्तिमान स्थापित करने हेतु अनवरत 11 दिवस तक रातदिन कपालभाति प्राणायाम करने जा रहे हैं। वे इस आयोजन के तहत लगातार 2100000 (इक्कीस लाख) स्ट्रोक कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनायेंगे। यह आयोजन 5 सितंबर 2024 को दिल्ली में होना सुनिश्चित है। किन्तु 11 दिवस की इस कपालभाति संकल्प साधना को निर्विघ्नम पूर्वक पूर्ण करने हेतु स्वामी महेश योगी 2 अप्रैल 2024 दिन मंगल वार से अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगढ़ी में 6 माह तक अन्न त्यागकर प्रतिदिन 11 घंटे कपालभाति की साधना करेंगे। 22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में स्वामी महेश योगी ने श्री हनुमान जी का आशिर्वाद लेकर 14 वर्ष के अंतराल में भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महेश योगी ने अपने पूज्य गुरुदेव भगवान स्वर्गीय श्री संतोष दास जी की सहमति से 14 वर्षीय यात्रा को सफल आयाम तक ले जाने हेतु पांच संकल्प लिए थे जिसमें से एक 11 दिवस अनवरत कपालभाति करने का भी रहा। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि यह साधना महेश योगी श्री हनुमानगढ़ी गर्भगृह में हनुमान जी के दर्शनोघांत आरंभ करें किसकी तिथि भी उन्होंने मार्च माह में नियत की थी, किंतु आज उनकी ना मौजूदगी में स्वामी महेश योगी अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगढ़ी में इस साधना को आरंभ कर रहे हैं। योग व कपालभाति मैं साधना करना व रिकॉर्ड बनाना स्वामी महेश योगी के लिए यह पहला वाक्या नहीं है इसके पहले भी इन्होंने 2018 में सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में 13 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया तत्पश्चात सन 2018 में योग गुरु स्वामी रामदेव जी व राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी के संयोजन में 23 घंटे 10 मिनट कपालभाति करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया तथा 2019 में ही मेवाड़ इंस्टीट्यूशन गाजियाबाद में महेश योगी ने पुनः 51 घंटे 10 मिनट तक कपालभाति करने का विश्व कीर्तिमान स्थापितकर पुरी दुनिया को चौका दिया। इस विशिष्ठ उपलब्धि के लिए योगगुरु स्वामी रामदेव जी, श्री श्री रविशंकर जी, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे व भारत के अन्य विशेष जनों ने महेश योगी को शुभकामनाएं प्रेषित कर बढ़ाई दी। इसके अतिरिक्त महेश योगी ने गुजरात सरकार के निर्देशन

में 51 घंटे अनवरत योग मैराथन, अंबेडकर नगर में अनवरत 76 घण्टे योग मैराथन तथा 2019 में महाराष्ट्र सरकार के निर्देशन में सवा घंटे शीर्षासन में कपालभाति करने का रिकॉर्ड तथा राजस्थान मेवाड़ में 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अतिरिक्त चित्रकला के क्षेत्र में 11000 चित्रों का सृजन करने व भारत के महान मनीषियों की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने का विश्व रिकॉर्ड व साहित्य के क्षेत्र में दिव्य भारत गौरव ग्रंथ लिखने व भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया लिखने का विश्व कीर्तिमान बना चुके हैं। सन 2022 में दिव्य भारत निर्माण यात्रा आरंभ करते समय से ही स्वामी महेश योगी ने 14 वर्ष के लिए चरण पादुका का त्याग व एक वख धारण करने का संकल्प लिया था जिसका अनुपालन वे करते आ रहे हैं। महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट के संस्थापक भी है।

पूरा देश पीएम मोदी के साथ - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला राजग है और दूसरी तरफ भ्रष्ट और परिवारवादी विपक्षी गठबंधन है। बेंगलुरु में भाजपा की बैठक में अमित शाह ने कहा कि पूरा देश एकजुट होकर प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि रामलला को टेंट से भव्य मंदिर में लाया जाए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा–जद(एस) गठबंधन कर्नाटक में सभी 28 लोकसभा सीट जीतेगा, कांग्रेस को खाता भी नहीं खोलने देंगे। उन्होंने कहा कि हम भ्रष्टाचारियों को जेल भेजने का वादा कर सत्ता में आये थेय भ्रष्टाचारियों को जेल होनी चाहिए या नहीं? बेंगलुरु में भाजपा बैठक में अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता तुष्टिकरण की राजनीति के कारण रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि एक तरफ हम पीएम मोदी जी के शानदार और मजबूत नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी ओर,

परिवारवादी और भ्रष्ट इंडिया गठबंधन युद्ध के मैदान में है। मैंने देश भर के लगभग 60: राज्यों का दौरा किया है, और जहां भी मैं गया, मैंने लोगों को मोदी, मोदी, मोदी कहते हुए सुना। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी जी ने 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है। इन 23 वर्षों में विपक्षी, मोदी जी पर 23 पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप भी नहीं लगा पाए हैं। मोदी जी ने पारदर्शिता के साथ काम करके एक उदाहरण पेश किया है।

उन्होंने कहा कि मैं पिछले दो चुनावों के दौरान कर्नाटक के लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। 2014 में, बीजेपी ने कर्नाटक में 43: वोट हासिल करते हुए 17 सीटें जीतीं। 2019 में, भाजपा ने कर्नाटक में 51: वोट प्राप्त करते हुए 25 सीटें जीतीं। इस बार, मैं कर्नाटक के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे हमें कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने वाला पूरी दुनिया में एक ही व्यक्ति है, जिसने एक भी छुट्टी लिए बिना भारत की जनता की सेवा की है। तो वहीं दूसरी ओर राहुल बाबा हैं, जो गर्मी आते ही विदेश चले जाते हैं और पूरी कांग्रेस 6 महीने इन्हें ढूंढती रह जाती है। संसद में राहुल बाबा कहते थे, जम्मू कश्मीर से धारा–370 मत हटाओ, खून की नदियां बह जाएंगी। 5 अगस्त, 2019 को मोदी जी ने धारा–370 हटा दिया। राहुल बाबा, ये मोदी सरकार है, खून की नदियां छोड़ो किसी की कंकड़ चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई।

पिछली सरकारों के समय गुंडे बम विस्फोट करते थे, अब बम–बम होता है – सीएम योगी

बदायूं, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य और आंवला से भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप के समर्थन में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में कई लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में सपा–कांग्रेस का गठबंधन है। यह लोग प्रदेश को बाहर बदनाम करते हैं। यह अराजकता फैलाते थे। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाते थे। यह कर्फ्यू के समर्थक हैं। इनके समय गुंडे जगह–जगह बम विस्फोट करते थे, लेकिन हमने कहा कि उप्र में बमबाजी नहीं, हर–हर, बम–बम होगा। सीएम ने कहा कि बदायूं से दुर्विजय सिंह शाक्य का नाम आते ही सपा के प्रत्याशी भागने लगे। उन्होंने कहा कि हमें भी पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए जुटना है। मोदी जी ने वह कार्य किए, जो असंभव लगते थे।

तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगी, धारा–370 हटी, राम मंदिर का निर्माण हुआ और रामलला विराजमान हुए। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की बड़ी ताकत बन सके, इसके लिए उन्हें तीसरा कार्यकाल दीजिए। सीएम योगी ने कहा कि आपने दस वर्ष में बदलते भारत और सात वर्ष में मोदी के मार्ग दर्शन में बदलते उत्तर प्रदेश को देखा है।

सीजेआई ने दी जांच एजेंसियों के काम पर जताई नाखुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने देश में काम कर रही जांच एजेंसियों को लेकर कहा है की इन एजेंसियों को उन मामलों में मुस्तैदी से कार्रवाई करनी चाहिए, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए है। खासतौर से नद मामलों पर गौर करना चाहिए जो सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा बने है। 20वें डीपी कोहली मेमोरियल लेक्चर में अपने संबोधन के दौरान

सीजेआई ने कहा कि तलाशी और जब्ती की जांच एजेंसियों की शक्तियों और किसी व्यक्ति की निजता के बीच संतुलन बैठना जरूरी है। इस व्यवहार से निष्पक्ष समाज की आधारशिला बनेगी। कई कानूनी प्रक्रियाओं में देरी होती है जिससे निपटने के लिए व्यवस्थित रणनीति तैयार होनी चाहिए। गौरतलब है कि कई ऐसे लोग हैं जिन पर कानून के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए जा चुके हैं। ऐसे आरोप लगने के बाद लोगों की जिंदगी और प्रतिष्ठा को नुकसान भी पहुंचा है। कानूनी प्रक्रिया में होने वाली देरी के कारण न्याय मिलने में भी अधिक समय लगता है जो की एक बड़ी बाधा है। सीबीआई के मामलों के निपटने में देरी को दूर करने के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार करने की जरूरत है। इसके पीछे कारण बताया गया है कि अगर राजनीति तैयार होगी तो लंबित मामले में लोगों को जल्द से जल्द न्याय मिल सकेगा और लोग न्याय पाने से वंचित नहीं रहेंगे। वह संघीय जांच एजेंसी के पहले निदेशक की स्मृति में 20वें डी पी कोहली व्याख्यान में मुख्य भाषण दे रहे थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि आपराधिक न्याय क्षेत्र में, तलाश और जब्ती शक्तियों तथा व्यक्तिगत गोपनीयता अधिकारों के बीच बहुत नाजुक संतुलन है और यह एक निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला है।

मोदी ने बदली राजनीति की परिभाषा - जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। उस दौरान उन्होंने कहा कि मैं भाजपा के एक कार्यकर्ता के नाते आपसे अपील करने आया हूं कि आप भाजपा को केवल अपना समर्थन ही नहीं, बल्कि अपनी योग्यता का पूरा उपयोग करते हुए समाज के अधिक से अधिक लोगों का आशीर्वाद भाजपा को दिलाएं। उन्होंने कहा कि पहले जातिवाद से प्रभावित राजनीति होती थी। उसके साथ साथ परिवारवाद और तुष्टिकरण एवं वोटबैंक की राजनीति होती थी। लेकिन आज हम कह सकते हैं कि मोदी जी ने परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टिकरण को समाप्त किया है और विकासवाद को आगे बढ़ाया है। नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा को बदल दिया है। आज हमारे विरोधियों को भी ये बताना पड़ेगा कि उन्होंने क्या काम किया और

वो कौन सा काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी एजेंसियां आज भारत की रेटिंग बढ़ा रही हैं। लेकिन कांग्रेसी चिल्ला रहे हैं – बेरोजगारी, महंगाई। एक बात जरूर कहूंगा कि वो तो बेरोजगार हो ही गए हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की डिस्पेंसरी बन गया है। सबसे सस्ती और अच्छी दवाएं भारत दुनिया को उपलब्ध करा रहा है। 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। IMF की रिपोर्ट बताती है कि भारत में अति गरीबी 1: से भी कम हो गई है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में भारत की आवाज, दुनिया की आवाज बन चुकी है। ळ20 का आयोजन हमारे देश में हुआ, 100 से ज्यादा शहरों में 200 से ज्यादा बैठकें हुई, अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्य का दर्जा भी यहीं मिला। यूरोपियन और मिडिल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर पर सहमति भी यहीं बनी। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा और किसान की चिंता अगर किसी ने की है, तो वो प्रधानमंत्री मोदी जी ने की है। नड्डा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी जी ने 12 करोड़ इज्जत घर बनाकर, 12 करोड़ बहनों और बच्चों को इज्जत की जिंदगी देने का काम किया है। 18 हजार गांव में बिजली नहीं थी, लेकिन मोदी जी ने तय किया।

संपादकीय

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

गाजा पट्टी पर इजराइल के अविश्वसनीय हमले की शुरुआत के बाद से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने – पहली बार – 25 मार्च को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव को अपनाने की अनुमति दी, जिसमें रमजान के महीने के दौरान युद्धविराम की मांग की गई थी। ष्सभी दलों द्वारा सम्मान किया जाता है। अब तक, इसने औपचारिक यूएनएससी प्रस्तावों के खिलाफ अपनी वीटो शक्ति का प्रयोग करके, गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई को रोकने के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को अस्वीकार कर दिया था। क्या अमेरिका का यह कदम यहूदी राज्य के प्रति उसके दृष्टिकोण में बड़े बदलाव का संकेत देता है? या यह महज इजरायली पोर पर एक रैप है? इन सवालों का जवाब देने के लिए, अमेरिका–इजरायल संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों के साथ–साथ इजराइल पर हमास के 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमले की भयावहता के मनोवैज्ञानिक प्रभाव की संक्षेप में जांच करना उपयोगी होगा। साथ ही, गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई के मानवीय परिणामों के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की बढ़ती आंतरिक और बाहरी शर्मिंदगी पर भी गौर करना जरूरी होगा। लेकिन पहले, आइए यूएनएससी प्रस्ताव के कुछ पहलुओं पर नजर डालें। यूएनएससी प्रस्ताव 2728 का प्रस्तावना भाग, जिसे परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने अमेरिका के अनुपस्थित रहने के साथ अपनाया था, संघर्ष के सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने की मांग करता है। यह एक नियमित सूत्रीकरण है जो संघर्ष स्थितियों पर लगभग सभी प्रस्तावों में पाया जाता है। यदि इस सूत्रीकरण की जांच करने की आवश्यकता नहीं है, तो इसे ष्नागरिकों और नागरिक वस्तुओं के खिलाफ सभी हमलों, साथ ही नागरिकों के खिलाफ सभी हिंसा और शत्रुता, और आतंकवाद के सभी कृत्यों की निंदा करना और बंधकों को लेने की याद दिलाना के बारे में नहीं कहा जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निषिद्ध। यह आश्चर्यजनक है कि निंदा में एक ही वाक्य में आतंकवाद, बंधक बनाना और नागरिकों के खिलाफ हमले शामिल हैं। ऐसा करने में, यह हमास के आतंकवादी हमले और इजरायली सैन्य कार्रवाई के बीच अंतर नहीं करता है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 32,000 से अधिक मौतें हुई हैं और गाजा के बुनियादी ढांचे और नागरिक भवनों का लगभग पूर्ण विनाश हुआ है। स्पष्ट रूप से, अमेरिका को यह मांग करनी चाहिए थी कि इस बर्बर आतंकवादी हमले की बहुत कड़ी भाषा में निंदा की जाए, लेकिन इजरायली सैन्य कार्रवाई के साथ श्गाढ़ाश नहीं किया जाए। उक्त वाक्य के कारण अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो कर सकता था लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। यह कई कारकों के कारण था। ये बिडेन के बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली इजरायली राष्ट्रीय एकता सरकार को एक मजबूत संकेत से विस्तारित होते हैं कि वह अमेरिकी समर्थन को हल्के में नहीं ले सकती है और अंततः गाजा के विनाश के कारण युद्धविराम की उनकी इच्छा को अस्वीकार करने की कीमत चुकानी होगी। फिलिस्तीनी मौतें उसके लिए बहुत अधिक वैश्विक शर्मिंदगी साबित हो रही थीं। इसके अलावा, बिडेन इस बात से भी भली–भांति परिचित हैं कि राष्ट्रपति चुनाव के वर्ष में इजरायल के लगातार हमलों के कारण अमेरिकी राय बनाने वालों का एक बड़ा वर्ग इस तीव्र नकारात्मक प्रतिक्रिया को आकर्षित कर रहा है, जब डोनाल्ड के साथ उनके चुनावी पुनर्मिलन के दौरान स्विंग राज्यों में हर वोट उनके लिए महत्वपूर्ण होगा। ट्रंप. संकल्प 2728 का परिचालन भाग स्पष्ट और स्पष्ट है। यह मांग करता है कि सभी पक्ष रमजान के इस महीने में तुरंत युद्धविराम का पालन करें और इससे स्थायी स्थायी युद्धविराम का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए। इसमें सभी बंधकों की रिहाई की भी मांग की गई है और मानवीय सहायता के प्रवाह पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। अब सवाल यह है कि क्या इजराइल इस पर ध्यान देगा और अपनी कार्रवाई रोक देगा। नेतन्याहू ने तुरंत इस प्रस्ताव की निंदा की। उन्होंने दक्षिणी गाजा में राफा पर इजरायली सेना के नियोजित हमले पर चर्चा करने के लिए इजरायली प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका नहीं भेजने का फैसला किया, जहां वर्तमान में दस लाख से अधिक लोग रह रहे हैं, जिनमें से अधिकांश आंतरिक रूप से विस्थापित फिलिस्तीनी हैं। इजराइल का दावा है कि बड़ी संख्या में हमास की लड़ाकू इकाइयाँ रफा में स्थित हैं। इसलिए, समूह को खध्त्म करने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए उसे उस पर हमला करना होगा। समस्या यह है कि ऐसे ऑपरेशन की मानवीय लागत भयावह होगी। वैश्विक जनमत, जो पहले से ही इजराइल से बहुत नाराज है, और अधिक विरोधी हो जाएगा। इसके अलावा, इजराइल को अपने सैन्य अभियान जारी रखने से रोकने के लिए ठोस कार्रवाई करने के लिए बिडेन प्रशासन पर घरेलू दबाव भी बढ़ेगा। हालाँकि, जैसा कि मैं ये पंक्तियाँ लिख रहा हूँ, ऐसा कोई संकेत नहीं है कि इजराइल राफा पर हमला करने के लिए आगे नहीं बढ़ेगा। समूह संकल्प के लिए प्रतिबद्ध है और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इजराइल भी ऐसा करे। 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद इजरायल की प्रतिक्रिया से गाजा में हुए व्यापक विनाश को देखते हुए हमास स्वाभाविक रूप से इजरायल की सैन्य कार्रवाई में विराम चाहेगा। जबकि हमास को पता होगा कि इजरायल अपने लगभग 1,200 लोगों की हत्या का जोरदार जवाब देगा। उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन पर, सवाल यह है कि क्या उसने 7 अक्टूबर के हमले से नाराज कई देशों की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के बावजूद इसे खत्म करने के इजरायली संकल्प का अनुमान लगाया था।

भारतीय राजनीति में विषाक्त पुरुषत्व अभी भी व्याप्त

आदित्य

हम सभी को भारतीय होने पर गर्व है। भारत एक ऐसा देश है जो हर चीज में भगवान को देखता है चाहे वह इंसान हो, पेड़ हों, पत्थर हों, पानी हों, सूरज हों, धरती हों, हवा हों या जानवर हों। यह हमारी जुबान पर होने वाला एक सामान्य संवाद है। लेकिन जब सुरक्षा और फैसले की बात आती है, तो हमारे देश में महिलाएं कहां खड़ी हैं? राजनेताओं को आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है कि वे कितनी बार सार्वजनिक मंचों पर अपनी स्त्रीद्वेषी मानसिकता को साबित करते हैं। ऐसा क्यों है कि उनकी मानसिकता अभी भी अहंकार और पुरुषवाद से घिरी हुई है? अगर महिलाएं पुरुषों का समर्थन न करने का फैसला कर लें तो क्या वे चुनाव जीत सकती हैं? कभी नहीं! उन्हें यह समझना चाहिए कि महिलाएं पुरुषों से अधिक संख्या में हैं और धैर्यपूर्वक लंबे समय तक अपनी बारी का इंतजार करते हुए अपने मत का प्रयोग करती हैं। महिला मतदाताओं में 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. प्रचार के दौरान नेता महिला मतदाताओं के सामने झुकते हैं और उन्हें ष्हमारी माताएँ, हमारी बहनेंष् कहते हैं, लेकिन एक बार चुनाव समाप्त हो जाने और वे विधायिकाओं में आ जाने के बाद, वे नारी शक्ति को नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इससे भी बुरी बात यह है कि वे छूट जाते हैं और उनकी संबंधित पार्टी का नेतृत्व इस तरह की टिप्पणियों की निंदा करने तक की जहमत नहीं उठाता। नवीनतम टिप्पणियाँ एक कांग्रेस नेता की थीं और इससे भी अधिक आश्चर्यजनक रूप से एक महिला नेता की थीं, जो आधिकारिक प्रवक्ता भी हैं। मंडी वह जगह है जहां से कंगना रनौत चुनाव लड़ेंगी. इसे छोटा काशी के नाम से जाना जाता है। कांग्रेस नेता एचएस अहीर और सुप्रिया श्रीनेत ने अपमानजनक अर्थ में श्मंडीश शब्द का इस्तेमाल किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। और तो और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इसकी निंदा करने या नेताओं की खिंचाई करने की भी जहमत नहीं उठाई। यहां तक कि जब मीडिया ने उनसे सवाल किया तो उनकी प्रतिक्रिया थी, श्श्आप किस कार्रवाई की उम्मीद करते हैं। क्या बीजेपी ने तब कार्रवाई की जब उनके नेताओं ने ममता के खिलाफ टिप्पणियां कीं? यह एक हास्यास्पद तर्क है. वे यह कैसे कह सकते हैं कि हमें कार्रवाई करने की जरूरत नहीं है क्योंकि भाजपा ने कार्रवाई नहीं की है? क्या वे यह कहना चाहते हैं कि वे बुरे हैं और हम भी कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसका नेतृत्व कई वर्षों तक इंदिरा गांधी और बाद में सोनिया गांधी ने किया, जो अभी भी सर्वोच्च शक्ति केंद्र हैं और अब प्रियंका गांधी उभर रही हैं। वह स्थिति. प्रियंका अक्सर कहती हैं, लड़की हूं लड़ सकती हूं। तो फिर पार्टी के भीतर ऐसे तत्वों के खिलाफ लड़ाई क्यों नहीं लड़ी जाए? ऐसे कई उदाहरण हैं जहां सबसे वरिष्ठ नेताओं ने भी, जिन्होंने महिलाओं के लिए वोट मांगे थे और भीख मांगी थी, बाद में अपमानजनक टिप्पणियां कीं। 2014 में, तत्कालीन अस्सी वर्षीय नेता और समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने राज्य में चुनावों से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए बलात्कार के लिए मौत की सजा का विरोध करते हुए कहा था, लड़के लड़के हैं, गलती हो जाती है। गलतियाँ की जा सकती हैं)। वह यहीं नहीं रुके. उन्होंने कहा, श्श्लड़कियां पहले दोस्ती करती हैं। लड़के–लड़की में मतभेद हो जाता है। मतभेद होने के बाद उसे रेप का नाम दिया गया है। लडको से गलती हो जाती है. क्या रेप केस में फांसी दी जाएगी?" इसी तरह महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर उन्होंने दावा किया कि इससे ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को कोई फायदा नहीं होगा. "महिला आरक्षण विधेयक से केवल अमीर और शहरी महिलाओं को लाभ होगा। हमारी गरीब और ग्रामीण महिलाएं आकर्षक नहीं हैं... मैं इससे आगे कुछ नहीं कहूंगा, उनकी टिप्पणी थी। स्नेह फैलाने के नाम पर लोकसभा में पीएम को गले लगाने वाले राहुल गांधी ने बाद में टिप्पणी करते हुए कहा, 56 इंच की छाती वाला चौकीदार भाग गया और एक महिला से कहा, सीतारमण जी, मेरा बचाव करें... राहुल गांधी ने हिंदी में बोलते हुए कहा। और ढाई घंटे तक महिला उसका बचाव नहीं कर सकी।

बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक

ललित

खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हनुमान बताने वाले युवा नेता चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में लाइमलाइट में हैं। राजनीतिक कौशल एवं प्रभावी रणनीति के तहत तेजी से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूती देते हुए बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक बन रहा है। चिराग पासवान सक्षम जनप्रतिनिधि ा के साथ–साथ मौलिक सोच एवं संवेदनाओं के प्रतीक हैं। उन्हें सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर प्रासंगिक एवं अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनाने एवं अपनी उपस्थिति का अहसास कराने का छोटी उम्र में बड़ा अनुभव है जो भारतीय राजनीति के लिये शुभता का सूचक है। लोकतंत्र का सच्चा जन–प्रतिनिधि वही है जो अपनी जाति, वर्ग और समाज को मजबूत करने के साथ देश को मजबूत करें। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की लड़ाई लड़ने वाले चिराग 14 करोड़ बिहारियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रतिबद्ध है। आगामी लोकसभा चुनाव–2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। गतदिनों भाजपा मुख्यालय से विनोद तावड़े ने बिहार के एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का अपना फॉर्मूला सार्वजनिक किया, जिसमें भाजपा को 17 सीटें, जदयू को 16 सीटें तो चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के खाते में 5 सीटें गईं। वहीं उपेंद्र कुशवाह और जीतनराम मांझी की पार्टी को एक–एक सीट दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की एक बड़ी तस्वीर सामने आई, जिसमें नीतीश चिराग के कंधे पर हाथ रखे आशीर्वाद की मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह का एक चित्र पहले चर्चित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चिराग की पीठ थपथपाते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी को लेकर अक्सर बड़ी–बड़ी बातें हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उनकी नजर में युवा वोट भर हैं। राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल भीड़ और ट्रौलिंग के लिए करते रहते हैं। हालांकि इस मिथक को चिराग ने तोड़ा, 2014 के लोकसभा चुनाव में जमुई सीट पर 80 हजार से ज्यादा मतों से विजयी हुए थे तो एक ही संसदीय दौर में उन्होंने जनता का विश्वास इस कद्र जीता कि 2019 के चुनाव में चिराग ने 5 लाख से ज्यादा वोट हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। करिश्माई व्यक्तित्व वाले चिराग ने आगामी चुनाव में एनडीए को बिहार में 40 में से 40 सीटें मिलने का दावा किया है। इसमें कोई संदेह भी नहीं है क्योंकि 2019 में जब एनडीए में 3 पार्टियां थी, तब 40 में से 39 सीटें जीती थीं और इस बार 5 पार्टियां हैं और लोगों का उत्साह बताता है कि बिहार में 40 सीटों के साथ एनडीए देश में 400 सीटों के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा। चिराग पासवान एक भारतीय राजनीतिज्ञ तथा लोक जनशक्ति पार्टी के राजनेता है। वे भारतीय राजनीति में सर्वाधिक मतों से जीतने वाले दलितों के शीर्ष नेता एवं लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रामविलास पासवान के पुत्र हैं। चिराग ने न केवल बिहार की राजनीति में बल्कि समूची देश की राजनीति में युवा संभावनाओं को उजागर करने की खनक पैदा की है। यह वह आहट है जो भारत की राजनीति को एक नयी दिशा एवं दृष्टि प्रदत्त करेंगी। क्योंकि चिराग वोट की राजनीति के साथ–साथ सामाजिक उत्थान की नीति के चाणक्य है। वे रोजगार के नाम से एक एनजीओ भी चलाते हुए बिहार के युवाओं को बडेध पैमाने पर रोजगार दिलाने की मुहिम को संभव किया है। 'चिराग का रोजगार' एक मौलिक सोच की निष्पत्ति है और चिराग भारत की राजनीति में एक मौलिक सोच के प्रतीक नेता के रूप में उभर रहे हैं और मौलिकता अपने आप में एक शक्ति होती है, जो व्यक्ति की अपनी रचना होती है एवं उसी का सम्मान होता है। संसार उसी को प्रणाम करता है जो भीड़ में से अपना सिर ऊंचा उठाने की हिम्मत करता है, जो अपने अस्तित्व का भान कराता है। मौलिकता की आज जितनी कीमत है, उतनी ही सदैव रही है। जिस व्यक्ति के पास अपना कोई मौलिक विचार या कार्यक्रम है तो संसार उसके लिए रास्ता छोड़कर एक तरफ हट जाता है और उसे आगे बढ़ने देता है। मौलिक विचार तथा काम के नये तरीके खोज निकालने वाला व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र की बड़ी रचनात्मक शक्ति होता है अन्यथा ऐसे लोगों से दुनिया भरी पड़ी है जो पीछे–पीछे चलना चाहते हैं और चाहते हैं कि सोचने का काम कोई और ही करे। चिराग ने भारत की राजनीति में युवा पीढ़ी के लिए कुछ नया सोचा है, कुछ मौलिक सोचा है, तो सफलता निश्चित है। वे इसी सोच से प्रदेश की राजनीति से केन्द्र की राजनीति की ओर अग्रसर होकर सफल नेतृत्व देने में सक्षम साबित होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है। लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में है। चिराग युवा हैं, सक्षम है, प्रखर वक्ता है, कुशल संगठनकार एवं प्रबन्धक हैं और विगत में उन्होंने अनेक अवसरों पर अपनी इन क्षमताओं के साथ–साथ निर्णायकता साबित की है। कई मौकों पर यह बात सामने आई है कि बिहार के साथ–साथ केंद्रीय राजनीति के दांव–पेच और समीकरणों को भी वह अच्छी तरह जानने–समझने लगे हैं। हालांकि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दलित राजनीति के अगले ध्वजवाहक बनने और अपने लक्षित मतदाता समूह में पिता जैसी स्वीकार्यता पाने की होगी। चिराग नई लकीर खींचने में पारंगत है, वे अपने पिता की प्रतिछाया ही न बनकर कुछ नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, राजनीति की नई परिभाषाएं गढ़ंगे। क्योंकि वे विपरीत स्थितियों में सामंजस्य स्थापित करके भरोसा और विश्वास का वातावरण निर्मित करने में दक्ष है। युवापीढ़ी और उनके सपनों का मूर्चि्छत होना और उनमें निराशा का वातावरण निर्मित होना– एक सबल एवं सशक्त राष्ट्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। चिराग ने यह अनुभव किया, यह उनकी सकारात्मक राजनीति एवं मानवतावादी सोच का ही परिणाम है। चिराग इस मामले में अन्य क्षत्रप या नेता पुत्रों से थोड़ा अलग इसलिए भी हैं कि उनका नजरिया और अंदाज भविष्योन्मुखी और विकासवादी प्रतीत होता है। यही कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिराग में राजनीतिक संभावनाओं को गहराई से समझा है। इन सबके बावजूद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या चिराग अपने पिता की दलित राजनीति की विरासत को कोई नया आयाम दे पाएंगे। या फिर वह इस विरासत से इतर मुख्यधारा की राजनीति में अपनी काबिलियत दिखाएंगे। चिराग राजनीति की बारीकियों को समझने में माहिर है। राजनीति का मौसम विज्ञान समझने में चिराग ने मोदी की आंधी को भलीभांति भांप लिया है और वह किसी संशय में नहीं है। अपने मतदाता समूह में उनकी मजबूत स्वीकार्यता भी है। हाल के समय में भारतीय राजनीति में नई पीढ़ी के कई नेता पुत्रों ने अभी तक कोई बहुत बड़ी उम्मीद नहीं जगाई है। चाहे राहुल गांधी हों या तेजस्वी यादव, फिलहाल इनके सियासी सितारे डूब–उतर रहे हैं। साथ ही अपने प्रभाव में निरंतरता बरकरार रखने में कहीं न कहीं चूक भी रहे हैं।

एक दुविधा जिसे एमएसपी कहा जाता

विनोद

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में और पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 200 से अधिक अन्य यूनियनों द्वारा समर्थित किसान एक बार फिर सड़क पर उतर आए हैं। उनकी प्राथमिक मांग स्वामीनाथन फार्मूले का उपयोग करके गणना की गई 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानूनी आश्वासन है। लेकिन पूर्वी भारतीय राज्यों के छोटे पैमाने के किसानों की आवाज इस आंदोलन से गायब है। पूर्वी राज्यों में ग्रामीण संकट को ध्यान में रखते हुए, यह पता लगाना महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या सार्वजनिक खरीद नीतियां कुछ राज्यों के लिए प्रासंगिक हैं या उन्हें अन्य क्षेत्रों तक भी बढ़ाया जाना चाहिए। कृषि क्षेत्र आर्थिक स्थिरता, रोजगार के अवसरों, पर्यावरणीय प्रभाव और सामाजिक आर्थिक असमानताओं से संबंधित बहुआयामी संकटों से जूझ रहा है। वित्त वर्ष 15 और वित्त वर्ष 24 के बीच कृषि में 3.55: की वृद्धि देखी गई। 45.8: कार्यबल वाले कृषि क्षेत्र की यह सुस्त वृद्धि 2012–13 और 2018–19 के बीच फसल आय में खतरनाक गिरावट में परिलक्षित होती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम बड़े पैमाने पर स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार, फसल की खेती से वास्तविक आय में अखिल भारतीय स्तर पर 1.2: की गिरावट आई है, जबकि कृषि परिवारों की कुल आय, जिसमें पशुधन और पशुधन से कमाई शामिल है। वेतन में प्रति वर्ष 3: की मामूली वृद्धि हुई। विभिन्न राज्यों में कृषक परिवारों की आय के स्तर में महत्वपूर्ण असमानता है। उदाहरण के लिए, 2021–22 की कीमतों में, पश्चिम बंगाल में एक कृषि परिवार की औसत मासिक आय लगभग 7,838 रुपये प्रति माह है, पंजाब में लोग औसतन लगभग 31,089 रुपये प्रति माह कमाते हैं। अखिल भारतीय स्तर पर प्रति कृषि परिवार की कुल आय से प्राप्त आय दशमांश की जांच करने पर, डेटा से पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में, केवल 2.86: कृषि परिवार शीर्ष आय दशमलव में स्थित हैं, जबकि पंजाब में यह आंकड़ा 28.4: है। पंजाब की समृद्धि का श्रेय काफी हद तक इसकी सुनिश्चित और खुली खरीद प्रणाली को दिया जाता है। एमएसपी एक ऐसी मंजिल तय करने के लिए है जो कीमतों को इस सीमा से नीचे गिरने से रोकती है। पंजाब और हरियाणा भारत की खाद्यान्न खरीद प्रणाली में अग्रणी थे। यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक राजनीतिक ध्यान दिया गया है कि इन राज्यों के किसानों को योजना के तहत व्यापक कवरेज मिले। वर्ष 2021–22 के लिए पंजाब में उत्पादित धान का 97: से अधिक एमएसपी पर खरीदा गया। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल (14.1:) और उत्तर प्रदेश (28.7:) जैसे प्रमुख ध्ाान उत्पादक राज्यों में खरीद काफी कम थी। 2023 के खध्रीफ सीजन के दौरान, सामान्य धान का एमएसपी 2,183 रुपये प्रति क्विंटल था। अक्टूबर से दिसंबर के फसली महीनों के दौरान, पंजाब और हरियाणा में खुले बाजारों में धान की थोक कीमत क्रमशः 2,634 रुपये और 2,239 रुपये तक बढ़ गई। इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल में, जहां सार्वजनिक खरीद न्यूनतम है, धान की थोक कीमत 2,126 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एमएसपी से कम है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए खुले बाजार में बिक्री योजना के तहत धान की आर्थिक लागत से कम 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर चावल उतारने से खुले बाजारों में कीमत कम हो जाती है, जिससे उन राज्यों में किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जहां एमएसपी कवरेज कम है।

पूर्वोत्तर राज्यों में बीजेपी शीर्ष स्थान पर

आसिफ

अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से 10 पर अपनी निर्विरोध जीत के साथ, सीमावर्ती

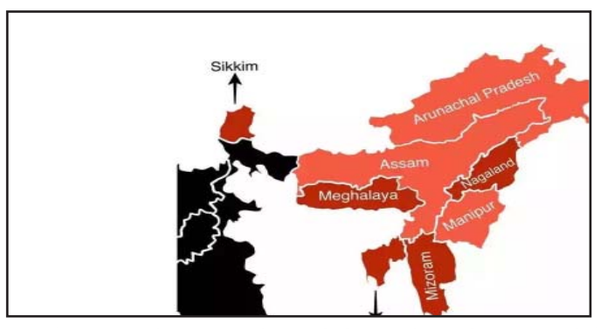

राज्य में भाजपा की आसन्न जीत शेष पूर्वोत्तर राज्यों में पार्टी को बढ़ावा दे सकती है। राज्य की दो लोकसभा सीटों – अरुणाचल पश्चिम और अरुणाचल पूर्व – के लिए विधानसभा चुनाव और मतदान 19 अप्रैल को एक साथ होंगे। आठ पूर्वोत्तर राज्यों की 25 लोकसभा सीटों के अलावा, अरुणाचल प्रदेश की शेष 50 विधानसभा सीटों और सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। कुल 25 लोकसभा सीटों में से 14 असम में हैं, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा (2 प्रत्येक), और नागालैंड, मिजोरम और सिक्किम (1 प्रत्येक) हैं। पूर्वोत्तर की 25 लोकसभा सीटों पर भाजपा पहले से ही लाभप्रद स्थिति में है, क्योंकि पार्टी के पास वर्तमान में असम (9), त्रिपुरा (2), अरुणाचल प्रदेश (2) और मणिपुर (1) में 14 सीटें हैं, जबकि कांग्रेस के पास चार हैं – असम में 3 और मेघालय में 1। शेष सात सीटों में से, असम की ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, नागालैंड की नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी), मिजोरम की मिजो नेशनल फ्रंट, मेघालय की नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), मणिपुर की नागा पीपुल्स फ्रंट और सिक्किम की सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के पास एक सीट है। प्रत्येक। असम में एक सीट निर्दलीय के पास है। अरुणाचल के अलावा, भाजपा अब असम, त्रिपुरा और मणिपुर में सरकार का नेतृत्व कर रही है, जबकि उसके सहयोगी एनपीपी मेघालय में, एनडीपीपी नागालैंड में और एसकेएम सिक्किम में सरकार का नेतृत्व कर रही है। मिजोरम में सत्तारूढ़ जोरम पीपुल्स मूवमेंट (ZPM) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए या कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के साथ गठबंधन नहीं करेगा। पिछले चुनावों की तरह, 60 उम्मीदवारों में से, अरुणाचल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उपमुख्यमंत्री चौना मीन सहित 10 सत्तारूढ़ भाजपा उम्मीदवारों ने बिना किसी प्रतियोगिता के अपनी–अपनी सीटें जीत लीं, जिससे भाजपा के सत्ता में वापस आने की संभावना लगभग सुनिश्चित हो गई। लगातार तीसरा कार्यकाल. निवर्तमान मुख्यमंत्री खांडू ने 2016 में अरुणाचल प्रदेश में पहली भाजपा सरकार बनाई, जब उन्होंने कई विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ दी और पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) का गठन किया। इसके बाद, खांडू सहित अधिकांश पीपीए विधायक भाजपा में शामिल हो गए। 2019 में, भाजपा ने 41 सीटें जीतीं, जनता दल (यूनाइटेड) ने सात सीटें हासिल कीं, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने पांच सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने चार सीटें हासिल कीं और पीपीए ने एक सीट जीती जबकि दो सीटें निर्दलीयों के पास गईं। जदयू के सभी सात विधायक और पीपीए का एकमात्र विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए। इस साल फरवरी में एनपीपी के दो और कांग्रेस के तीन विधायक बीजेपी में शामिल हो गए. ताजा पाला बदलने के बाद अरुणाचल में बीजेपी विधायकों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है. हालांकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस बार 34 उम्मीदवारों की घोषणा की है और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने अरुणाचल में विधानसभा चुनाव के लिए 29 उम्मीदवारों की घोषणा की है, लेकिन वास्तव में कांग्रेस के 19 और एनपीपी के 20 उम्मीदवार मैदान में हैं। दो दलों ने या तो अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया या अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित ए.पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, पीपीए 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, अरुणाचल डेमोक्रेटिक पार्टी ने 4 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) ने 4 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। 1 सीट पर चुनाव लड़ रही है. प्रमुख भाजपा नेताओं में से एक और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को अक्सर यह कहते हुए सुना जाता है कि उन्हें विश्वास है कि एनडीए पूर्वोत्तर क्षेत्र की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल करेगा। सरमा ने दावा किया कि क्षेत्र में भाजपा और उसके सहयोगियों का शायद ही कोई मुकाबला है। सीएम सरमा ने रविवार को एक पार्टी बैठक में कहा, "चुनावी लड़ाई हमारे उम्मीदवारों के बीच सबसे अधिक अंतर से जीतने के लिए होगी, और मैं इसे लेकर संतुष्ट नहीं हो रहा हूं। एक अन्य वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने भी कहा कि पूर्वोत्तर इस बार बीजेपी की जीत में अहम भूमिका निभाएगा. सोनोवाल ने कहा, असम की 14 सीटों में से हमारा (भाजपा) 12 सीटें जीतने का लक्ष्य है और पूर्वोत्तर राज्यों की 25 सीटों में से हम 22 सीटें जीतेंगे। त्रिपुरा में भी, भाजपा इस बार लाभप्रद स्थिति में है, क्योंकि प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन के नेतृत्व वाली आदिवासी –आधारित टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी), जिसने 2019 के चुनावों में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, न केवल उसकी सहयोगी बन गई है। बल्कि आगामी चुनावों के लिए संयुक्त रूप से प्रचार भी कर रहे हैं। साल भर की चर्चा के बाद, 2 मार्च को केंद्र और त्रिपुरा सरकार के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद, आदिवासी– आधारित पार्टी इस साल 7 मार्च को भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हो गई।

सई नदी में मिली छात्रा की लाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा घाट के पास बुधवार को सई नदी में एक 15 वर्षिय किशोरी की लाश मिली।लाश की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी। उक्त नदी के पास स्थित नरई बाबा का मंदिर स्थित है।लोग वहां दर्शन पूजन और नदी में नहाते है। जहा लोग नहाते है उसी के थोड़ी दूर पर नहाते समय किनारे पर एक किशोरी की लाश दिखी।उसने शोर मचाया तो वहां मौजूद लोग लाश को देखने पहुंच गए।नदी में लाश मिलने की सूचना पर आस पास के काफी लोग जमा हो गए।थानाप्रभारी सुरेन्द्र नाथ सिंह भी मय फोर्स मौके पर पहुंच गए।उस समय तक किशोरी की शिनाख्त नही हुई थी।पुलिस काफी सक्रिय हुई। तब पता चला कि बगल के ही गांव परियावा शहजादपुर में मृतका की बुआ का घर है।उसके बुआ के घर के लोगों ने जानकारी दिया कि किशोरी जलालपुर थाना क्षेत्र के बहरीपुर गांव निवासी रामजीत यादव की पुत्री अन्नू यादव है।अन्नू यादव कक्षा नौ तथा उसकी छोटी बहन सन्नो कक्षा आठ में राजकीय विद्यालय सलखापुर में पढ़ती थी।दोनों बहनें परियावा शहजादपुर में अपने फूफा रमेश यादव पुत्र रुस्तम यादव के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी।परिजनों ने बताया कि अन्नू यादव दो अप्रैल मंगलवार की भोर में लगभग साढ़े चार बजे से गायब है। उसे माता पिता तथा बुआ के घर वाले खोजबीन में लगे थे।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार सदर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा घाट पर एक छात्रा का शव पाया गया जिसकी जानकारी हुई पुलिस मौके पर पहुंची शव की शिनाख्त कर ली गई है उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधि ा कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में और विधिक जानकारी की जा रही है।

होली मिलन जैसे कार्यक्रम समाज के सभी वर्ग के लोगों को करना चाहिए – नीलमणि श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जौनपुर द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव के आवास पर किया गया, कार्यक्रम का संचालन महासभा के महासचिव प्रवीण शंकर श्रीवास्तव ने किया। लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव ने कहा कि यह त्यौहार आपसी भाई चारे के है।लोग आपसी गिले शिकवे भुलाकर होली का त्यौहार मनना चाहिये। होली मिलन जैसे कार्यक्रम समाज के सभी सभी वर्ग के लोगों को करना चाहिए। संरक्षक बजरंग प्रसाद श्रीवास्तव ने सभी को शुभकामनाएं आशीर्वाद देते हुए उन्होंने कहा कि आगे आने वाली नई पीढ़ी इस प्रकार के कार्यक्रम को भूलती जा रही है। महासभा के प्रदेश सचिव मनीष कुमार श्रीवास्तव सभासद ने सभी को होली की बधाई दी और कहा कि होली हम सभी हिंदुओं का पावन पर्व है, इस बार भगवान श्री राम जी का मंदिर बन जाने से लोगों का उत्साह कई गुना बढ़ गया ।इस बार होली का पर्व लोगों ने मंदिरों में जाकर मनाया है ,कायस्थ समन्वय समिति के जिला संयोजक पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि लोगों को घर–घर जाकर बध ाई देने की परंपरा जो कि अब विलुप्त होती जा रही है यह सभी को शुरू करनी चाहिए। ,इस अवसर पर हरिश्चंद्र श्रीवास्तव,आतिश कुमार श्रीवास्तव बाकी, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला महासचिव शरद चन्द्र श्रीवास्तव, जयप्रकाश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अश्वनी कुमार अस्थाना, मनीष कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव , नलनीस श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव ,अनुराग श्रीवास्तव शिम्पू आदि चित्रांश बंधु उपस्थित थे।

सी एम.एस. में अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव 15 अप्रैल से

अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव के फेस्टिवल लोगो एवं पोस्टर का हुआ अनावरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वावधान में आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े अन्तर्राष्ट्रीय चाल फिल्म महोलाव (आई.सी एफएफ–२०२४) के फेस्टिवल लोगो एवं फेस्टिवल पोस्टर का अनावरण सी.एम.एस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य समारोह हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारी लोक गायिका पद्ग्मश्री मालिनी अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव के लोगो एवं पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्रीमती अवस्थी ने कहा कि यह बाल फिल्मोत्सव लखनऊ के बच्चों व अभिभावकों के लिए सर्वोत्तम अवसर है, जहाँ के विभिन्न देशों की शिक्षात्मक बाल फिल्मों का निःशुल्क आनन्द उठा सकते हैं एवं विभिन्न देशों की साँस्कृतिक विरासत से भी परिचित हो सकते है। सी.एम. एस. के पिल्म्स डिवीजन द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव १५ से २१ अप्रैल २०२४ तक सी. एम. एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। इस सात–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव में ६१ देशों की ५०१ शैक्षिक बाल फिल्में निःशुल्क प्रदर्शित की जायेंगी। इस अवसर पर आयोजित एक प्रेसवार्ता में सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगटन ने बाल फिल्मोत्सव के उध्देश्यों पर विस्तृत जानकारी पत्रकारों को दी। प्रो. किंगठन ने कहा कि यह फिल्म फेस्टिवल मात्र मनोरंजन के लिए नहीं अपितु शिक्षा का एक अभिन्न अंग है, जो भावी पीढ़ी में जीवन मूल्यों व चरित्र निर्माण का विकास करने का एक उत्कृष्ट

प्रयास साबित होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ऑडियो–विजुअल माध्यम बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा देने का बड़ा ही सीधा व सरल तरीका है जिसका बच्चों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

आई.सी. एफ. एफ–२०२४ के फेस्टिवल डायरेक्टर आर. के. सिंह ने बताया कि १५ अप्रैल से प्रारम्भ हो रहा यह ७–दिवसीय अन्तर्रार्ष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सभी के लिए पूर्णतया निःशुल्क है। बाल फिल्मोत्सव में प्रतिदिन प्रातः ६ बजे से १२ बजे तक एवं दोपहर १२.०० बजे से ३ बजे तक दो शो आयोजित किये जायेंगे। इसके अलावा, बाल फिल्मोत्सव के ७ दिनों में फिल्म जगत की दिग्गज हस्तियों एवं बाल कलाकार दर्शकों का उत्साहवर्धन करेंगे, जिनमें दर्शील सफारी (अभिनेता), देव जोशी (अभिनेता), तलत अजीज (गायक), सादिया सिद्दीकी (अभिनेत्री), भूमिका गुरंग (अभिनेत्री), जयंत गिलतार (फिल्म निर्देशक) एवं पार्थ सारथी सेन शर्मा (लेखक) आदि प्रमुख हैं। श्री सिंह ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्मोत्सव में विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को १० लाख रूपये के नगद पुरस्कारों से सम्मानित किया जायेगा। सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्मों का चयन एक अन्तर्राष्ट्रीय ज्यूरी द्वारा किया जायेगा, जिनमें हा. अहमत बोपातित्रोग्तू (तुर्की), फिलिप दिवियाक (आस्ट्रिया), कृपाल कालिता (भारत), उत्पत्त बोरपुजारी (भारत) एवं मालती सहाय (भारत) शामिल हैं। इसके अलावा, बाल सदस्यों की ज्यूरी में रीत मिगलानी, आघ्द्या मिश्रा एवं कृष्ण सिंह शामिल हैं। श्री सिंह ने आगे बताया कि शिक्षात्मक बाल फिल्मों का आनन्द उठाने हेतु लखनऊ एवं आसपास के क्षेत्रों से अभी तक लगभग ३०० से अधिक स्कूलों के लगभग १,००,००० छात्रों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। एम.एम के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने कहा कि सी एम एस ने शिक्षारमक फिल्मों बच्यों को नैतिक व चारित्रिक उत्थान की शिक्षा देने का बीड़ा उठाया है। १५ अप्रैल २०२४ से प्रारम्भ हो रहा है। यह अनार्राष्ट्रीय बात फिल्मोत्सव जीवन में कभी न भुलाया जाने वाला एक स्वर्णिम अवसर साबित होगा।।

स्वयं मतदान करें व अन्य लोगों शत प्रतिशत मतदान की अलख जगाएं-जिलाधिकारी

रैली में सामाजिक क्लबों के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया – एमपी सिंह'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत बुधवार को पुलिस लाइन से दो पहिया वाहनों

की विशाल मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। रैली प्रस्थान स्थल पर एल दिव्यांग मतदाता मनीष पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी। रैली को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने पुलिस लाइन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी व मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने किया। रैली में नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी, उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर सहित सभी प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। रैली पुलिस लाइन से प्रारम्भ होकर जिन्दपीर चौराहा, रेलवे पुलिस चौकी के सामने से सरकुलर रोड से लखनऊ चुंगी से बिलग्राम चुंगी से साण्डी चुंगी से बावन चुंगी से नुमाईश चौराहा, बड़ा चौराहा, सिनेमा चौराहा, सोल्जर बोर्ड चौराहा से डीएम चौराहा से कैनाल रोड एवं कोयलबाग कालानी की गली नम्बर चार से होते हुए पुलिस लाइन परिसर पर समाप्त हुई। समापन के अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी लोग स्वयं मतदान करें व अन्य लोगों के मध्य शत प्रतिशत मतदान की अलख जगाएं। रैली में जनपद के सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न सामाजिक क्लबों के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया।

बच्चों ने पोस्टर के माध्यम से लोगों को मतदान के लिए किया जागरूक

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आगामी लोकसभा चुनाव में विद्यालय के सभी बच्चों ने पोस्टर स्लोगन के माध्यम से अपने माता–पिता व आस पड़ोस के सभी लोगों को सौ फीसदी चुनाव करने के लिए जागरूक किया तथा सभी लोगों से या अपील की की मतदान में अपना पूर्ण सहयोग दें और सभी लोगों को अपना सत् प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित करें। विद्यालय के संस्थापक अखिलेश सिंह ने अपना संदेश देते हुए कहा कि देश के हर नागरिक को मतदान में अपना पूर्ण सहयोग देना चाहिए तथा और सभी लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताया कि विद्यालय के बच्चे लगातार होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सभी लोगों से पोस्टर के माध्यम से निबंध के माध्यम से तथा स्लोगन के माध्यम से सभी लोगों को जागरुक कर रहे हैं इसलिए आप लोग भी अपना पूरा सहयोग दें।

लोकसभा चुनाव में राज्य कर्मचारी संयुक्तपरिषद की भूमिका होगी अहम

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि लोकसभा 2024 के चुनाव में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की भूमिका अहम होने जा रही है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मतदाता जागरण अभियान के माध्यम से प्रदेश के कर्मचारियों से सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़े हुए सभी संगठन, विभिन्न फील्ड वर्कर्स एसोसिएशन, प्रदेश की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से सीधे संपर्क में है। प्रदेश में कार्यरत ढाई लाख से अधिक आशा बहुएं प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत के घर घर में घुसी हुई हैं।आशा बहू और ग्रामीण जनता, विशेष कर महिलाओं के साथ उनका कंफूसिया रिश्ता है। आशा बहुएं प्रजापत तंत्र में अपनी भूमिका के माध्यमसे चुनाव को कोई भी मोड़ दे पाने में सक्षम है। खाद्य रसद विभाग के कर्मचारी राशन वितरण के माध्यमसे प्रदेश के 80 लाख से भी अधिक गरीब परिवारों से सीधे जुड़े हुए हैं। गरीब परिवारों राशन वितरण एक महत्वपूर्ण कार्य है। इस कार्य के दौरान खाद्य रसद विभाग के कर्मचारी 80 लाख परिवारों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करते हुए लोकसभा चुनाव में निर्णायक भूमिका मे हो सकते हैं। समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग के आश्रम पद्धति विद्यालयों मे कार्यरत संविदा शिक्षक, माध्यम एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों के साथ सीधे जुड़े हुए हैं। आश्रम पद्धति विद्यालय, आवासीय विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में आदिवासी ,जनजाति एवं समाज के निचले तबके के परिवारों के बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि इन बच्चों के माध्यमसे जनजाति विकास एवं समाज कल्याण विभाग में 1000 से भी संविदा शिक्षक संपूर्ण आदिवासी, जनजाति एवं अंत्योदय योजना के अंतर्गत जीवन यापन कर रहे परिवारों से सीधे जुड़े हुए हैं। यह शिक्षक भी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मतदाता जागरूकता अभियान में सम्मिलित है। जनजाति विकास

विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के माध्यम से सरकार कई योजनाएं चला रही है, उन समस्त योजनाओं को जनऋ जन तक पहुंचाने का कार्य समाज समाज कल्याण एवं जनजाति विकास विभाग के शिक्षकों के माध्यम से व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। लाखों की संख्या में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी भी संयुक्त परिषद के साथ जुड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री जी ने आउट सोर्स कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मजदूरी तय करने की घोषणा किया था। कई वार्ताओं के कार्यवृत्त मे भी न्यूनतम मजदूरी तय करने का निर्देश लिखित रूप में आया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद को उम्मीद थी कि आउटसोर्स कर्मचारी के न्यूनतम वेतन का निर्धारण चुनाव से पहले हो जाएगा परंतु मुख्यमंत्री जी की घोषणा अफसर शाही की भेंट चढ़ गई और यह आउटसोर्स कर्मचारी के लिए लॉलीपॉप होकर के रह गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के हजारों की संख्या मे कर्मचारी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मतदाता जागरूकता अभियान का हिस्सा हैं। महिला कल्याण विभाग द्वारा अनावश्यक रूप से 200 महिला कर्मचारियों को सेवा से अलग कर दिया। अपर मुख्य सचिव कार्मिक के साथ वार्ता में विभाग द्वारा यह कहा गया कि किसी कर्मचारी को सेवा से अलग नहीं कियागया हैय स्थिति परंतु स्थिति बिल्कुल उलट है 200 महिला कर्मचारी आज रोजगार सें बेदखल कर दिए गए हैं। इसका असर भी चुनाव पर पड़ सकता है। जे एन तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक विस्तृत पत्र लिखाकर कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं की तरफ ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा है कि यदि सरकार कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याएं जिनमे पुरानी पेंशन योजना की बहाली, नई पेंशन योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा किए गए संशोधानों को लागू किया जाना, वेतन विसंगतियां दूर कियाजाना, रिक्त पदों को भर जाना पदोन्नति के पदों को भरा जाना, सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित किया जाना, सहित कुछ महत्वपूर्ण मांगों पर शासन स्तर पर बार–बार हुई वार्ताओं में निर्णय लिए जाने के बावजूद भी अमल नहीं किए जाने से कर्मचारी अपने को छला हुए उन्होंने मुख्यमंत्री जी से अपील किया है कि कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं पर निर्णय कर दे। इन समस्याओं पर चुनाव अधिसूचना से पूर्व निर्णय हो चुका है। अतः इनको अमल करने में चुनाव अधिसूचना आड़े नहीं आ रही है। यदि कर्मचारियों से संबंधित उचित मांगों पर आदेश नहीं होते हैं तो चुनाव में कर्मचारी अपने पूर्ण मनोबल के साथ कार्य नहीं कर पाएंगे। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का मतदाता जागरण अभियान प्रदेश में निर्वाध रूप से चल रहा है बुंदेलखंड मंडल में मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से कर्मचारियों में संदेश भेजा जा चुका है। संयुक्त परिषद के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का कार्य जनपदों के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है।

हियरिंग एड बाजार के एक–चौथाई हिस्सेदारी पर है आल्प्स इंटरनेशनल की नजर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नयी दिल्ली। कान की मशीन के क्षेत्र में अनुसंधान करने वाली कंपनी आल्प्स इंटरनेशनल ने मंगलवार को बताया कि वह इंटरफेस मुक्त प्रोग्रामिंग के साथ अपने वायरलेस कान की मशीन–नाइलो की सफलता के आधार पर 2026 तक घरेलू बाजार के लगभग एक चौथाई हिस्सेदारी का लक्ष्य रख रही है। कंपनी ने हाल ही में अपनी कान की मशीन नाइलो बाजार में उतारी है जो उपभोक्ताओं को एक नवीन और बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। कंपनी की घरेलू (भारतीय) बाजार में हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत है, जबकि भारत वर्ष में सन 2023 में लगभग 7 लाख कान की मशीनें बेची गयी हैं। कंपनी को उम्मीद है कि 2026 तक घरेलू कान की मशीन के बाजार में उसकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत अंक बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत हो जाएगी। सन 2026 तक भारत का कान की मशीनों का बाजार लगभग 10 लाख सालाना होने की उम्मीद है। आल्प्स इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग निदेशक अनूप नारंग ने बताया, ष्हमें दुनिया भर में श्रवण बाधित लोगों के लिए इस मेक इन इंडिया तकनीक की पेशकश करते हुए बहुत खुशी हो रही है।ष उन्होंने बताया कि भारत की यह श्रवण उपकरण तकनीक श्रवण स्वास्थ्य देखभाल में नए मानक स्थापित करती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को मशीन को अपनी सुविधानुसार बदलने की सहूलियत मिलती है। उन्होंने कहा कि कंपनी लंबे समय से श्रवण सहायता अनुसंधान क्षेत्र में काम कर रही है। पिछले 35 साल से आल्प्स हियरिंग एड की नई रेंज में तकनीक, हियरिंग एड की रिमोट प्रोग्रामिंग भी प्रदान करती है, भले ही डिवाइस भौतिक रूप से हजारों मील दूर स्थित हो। जिसका सीधा मतलब यह है कि कान की मशीन हजारों मील दूर होने पात्र भी सॉफ्टवेयर की मदद से उसको उपभोक्ता के हिसाब से ठीक किया जा सकता है। ऐसे अधिकांश अन्य उपकरणों को प्रोग्रामिंग के लिए एक इंटरफेस की आवश्यकता होती है। इस अत्याधुनिक हियरिंग एड – नाइलो में मोबाइल फोन, लैपटॉप, संगीत, स्मार्ट टीवी और कई अन्य मीडिया विकल्पों से जुड़ने के लिए गतिशील ऑडियो स्ट्रीमिंग सुविधा के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सुविधाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा, ग्राहक को उसके मोबाइल पर एक ऐप दिया जाता है जो उपयोगकर्ता अपनी सहूलियत और आसपास के वातावरण को देखते हुए मशीन की कार्यक्षमता में परिवर्तन कर सकते हैं। नई ब्लूटूथ कम ऊर्जा वाली कान की मशीन पर ध्वनि फाइलें भेजने के लिए किसी इंटरफेस/लिंक के उपयोग के बिना भी डिवाइस की डिजिटल प्रोग्रामिंग को पूरा करने के लिए तकनीकी रूप से सशक्त है। उपयोगकर्ता अब कैसे सुनें में भ्रमित रहने के बजाय क्या सुनें पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

कंपनी को पहले सरकार द्वारा तकनीकी नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आने वाले समय में आल्प्स भारतीय हियरिंग एड उपकरणों को विश्व बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

वीरेश शुक्ला उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष बने

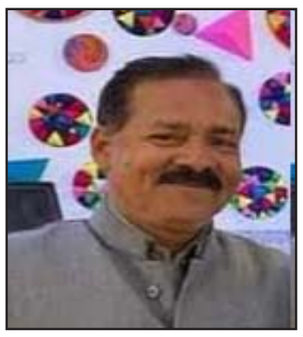

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) देश की सबसे पुरानी पत्रकार यूनियन उप्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (पंजी) ने बरिष्ठ पत्रकार व दैनिक समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ बीरेश शुक्ला को जिलाध्यक्ष घोषित किया है। श्री शुक्ला अपने छात्र जीवन से ही संगठन कला में पारंगत हैं। वह जीडीसी में छात्र संघ के निर्वाचित नेता रह चुके हैं। श्री शुक्ला जी कानून के जानकार हैं। वह काफी लम्बे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। ऐसे में श्री शुक्ला जी विधि के साथ सांगठनिक रूप से पूरी तरह परिपक्व है।आज लखनऊ रोड स्थित दैनिक आज के नगर कार्यालय पर यूनियन के प्रदेश महासचिव रमेश शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में यूनियन के हरदोई यूनिट के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रीतेश मिश्र ने बीरेश शूक्ला के नाम का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव को यूनियन के प्रदेश सचिव लक्ष्मीकान्त पाठक ने अनुमोदन किया। अनुमोदनोपरांत प्रांतीय महासचिव रमेश शंकर पाण्डेय ने बीरेश शुक्ला को हरदोई का जिलाध्यक्ष घोषित किया।इस अवसर पर संगठन से जुड़े तमाम पत्रकार साथी मौजूद रहे। श्री शुक्ला के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उन्हें बधाइयां मिलने का सिलसिला शुरू हो गया है बैठक में मौजूद पत्रकारों ने उम्मीद जताई है कि श्री शुक्ला पत्रकारों के हितों की लड़ाई के लिए कभी पीछे नहीं हटेंगे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मियों की मांग बढ़ी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राम नगरी में भीड़ को देखते हुए तेजी से आवास की स्थाई व्यवस्था की जा रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए तुलसी नगर में PAC के 300 जवानों के लिए बैरक का निर्माण तेजी से चल रहा है। चार मंजिला इस भवन का काम समय से पहले इसी साल पूरा हो जाएगा। 14 करोड़ से हो रहे इस प्रोजक्ट में 4 मंजिला भवन बनाया जा रहा है। पुलिस निर्माण निगम के इंजीनियरों की देखरेख में इसे बेहद गुणवत्ता का ध्यान में रखते हुए पूरा किया जा रहा है। अक्टूबर 2023 में आरंभ हुए इस प्रोजक्ट में 17 हजार वर्ग फिट पर निर्माण किया जा रहा है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि यह प्रोजक्ट बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कमी न रहने पाए। इसका हमेशा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि भवन में किचन, डायनिंग हाल, कोर्ट रूम, पीसी रूम आदि का भी निर्माण कराया जा रहा है। जवानों को किसी भी समस्या के लिए भटकना न पड़े और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिले। इसको ध्यान में रखकर यह प्रोजक्ट अधिकारियों ने तैयार कराया है।

थाना आलमबाग पुलिस टीम द्वारा 01 एनबीडब्लू – वारंटी को गिरफ्तार किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस के मुताबिक थाना आलमबाग पुलिस टीम के द्वारा मा०न्यायालय के आदेश के अनुपालन में वाद संख्या एसटी न0 598/2017 मु0अ0सं0 238/15 धारा 147/149/323/504/452 भादवि व 3(1)(x) SC/ST Act थाना आलमबाग लखनऊ से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त वारण्टी – सोनू उर्फ वेदप्रकाश पुत्र नन्हेलाल यादव निवासी म0सं0 268/523/285 गुलजार नगर थाना बाजारखाला जनपद लखनऊ तारीख पेशी 02.04.2024 को दिनांक 02.04.2024 को बाजार खाला स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया जिसे वारण्ट के सार से अवगत कराते हुए नियमानुसार हिरासत पुलिस में लिया गया। माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है।

लाभार्थी संपर्क से चुनावी राह सुगम करेगी भाजपा, सभी बूथों पर चलेगा अभियान - जय प्रकाश

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने प्लान तैयार किया है। पार्टी लाभार्थी संपर्क के जरिए अपनी चुनावी राह आसान करेगी। इसके लिए लाभार्थियों की लिस्ट तैयार की गई है। इसी कड़ी में पिहानी के सभी बूथों पर अभियान चलाया

जाएगा। इसी क्रम में सांसद जयप्रकाश रावत सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह, झुन्नी सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव गुप्ता ,नीरज सिंह,,पूर्व नगर अध्यक्ष आदर्श सिंह, नगर उपाध्यक्ष रितेश सिंह, तुषार बाजपेई, कृष्ण मुरारी पांडेय,कृष्ण गोपाल पांडेय,कृष्ण चंद्र पांडेय,अखिलेश बाजपेई, तुषार बाजपेई,समाजसेवी व नगर कर्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभिषेक शुक्ला अनुज,अजात बाजपेई,पत्रकार पिंटू मिश्रा, राजुल मिश्रा,मीरा गैस प्रबंधक दुर्गेश पांडेय भाजपा नेता प्रदीप अवस्थी बबलू सिंह बखरिया, राजपाल सिंह,आशु सिंह बददापुर ने पिहानी कस्बे के अलावा गांव में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। पिहानी नगर में पत्रकार सागर पांडेय,समाजसेवी विशेष मिश्रा, शोजफ जैदी, पिन्टू हलवाई, पिहानी पब्लिक स्कूल में अवधेश रस्तोगी कई जगह जाकर भाजपा के लोगों से मुलाकात की। नरेन्द्र मोदी सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में बड़ी उम्मीद है। वह उनसे संपर्क कर अपनी बात पहुंचाने का प्रयास कर रही है। अब बड़े स्तर पर संपर्क अभियान चलाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। सभी मतदान केंद्रों को इस अभियान में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसकी तैयारी चल रही है और पार्टी का प्रयास अगले सप्ताह तक इसे शुरू करने की है।

प्रत्येक मतदान केंद्र पर 100 लोगों से संपर्क का लक्ष्य

भाजपा नेताओं का कहना है कि कोरोना संकट के समय से ही लोगों को केंद्र सरकार से पांच किलो निश्शुल्क राशन मिल रहा है। जहां झुग्गी वहीं मकान योजना के अंतर्गत साढ़े तीन हजार गरीबों को कालोनी मिल चुके हैं। इसी तरह से गर्भवती महिलाओं, सुकन्या योजना, मुद्रा योजना, जनधन योजना, पीएम स्वनिधि योजना, उज्ज्वला योजना, होम लोन पर सब्सिडी सहित अन्य योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ मिला है। बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से संपर्क कर इन सभी लाभार्थियों की पहचान की जाएगी।प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम 100 लाभार्थियों से संपर्क करने का लक्ष्य है।लाभार्थियों में बड़ी संख्या में दूसरी पार्टियों के समर्थक हैं। इस अभियान से उन्हें भाजपा से जोड़ने में मदद मिलेगी।

पुलिस ने दो आरोपियों को मोबाइल टावर की बैटरी समेत किया गिरफ्तार

अयोध्या। महाराजगंज पुलिस व एंटी थेफ्ट सेल ने संयुक्त रुप ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।पुलिस ने इनके पास से मोबाइल टावर से चोरी की 25 बैटरी, एक वाहन अवैध तमंचा बरामद किया।इस बात का खुलासा करते हुए एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने पुलिस लाइन सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि बुधवार की भोर में थानाध्यक्ष महाराज गंज अमरजीत सिंह,एंटी थेफ्ट सेल उप निरीक्षक मनोज कुमार ने गोविंदा चौरसिया पुत्र ब्रह्मा देव चौरसिया निवासी रामपुर भगन थाना तारुन तथा रुप सावन उर्फ पिंटू राना पुत्र केशव राम निवासी हारीपुर थरिया कला थाना हैदरगंज को ऐमीघाट पुल से पहले कुम्हिया तिराहे पर बहदग्राम ऐमीघाट से गिरफ्तार किया।पुलिस ने इनके पास से टावर की 25 बैटरी,वाहन आदि बरामद किया।

शीघ्र ही विभाग अवैध रुप से संचालित कोचिंग सेंटर पर कसेगा शिकंजा - डी आई ओ एस

छात्रों के अभिवावक से फीस के नाम पर वसूले जा रहे लाखों रुपये

अयोध्या। जिले में अवैध रुप से कोचिंग संस्थानों की भरमार है। जिसके चलते इन अवैध कोचिंग संस्थानों के संचालक वहां पर पढ़ने जाने वाले छात्र छात्राओं के अभिभावकों से पढ़ाई के नाम पर भारी भरकम रुपये की वसूली की जाती है।जिसमें लखनऊ जैसे महानगरों में संचालित कोचिंग संस्थानों के अवैध रुप से यहां पर कोचिंग संस्थान खुले हुए हैं जो यहां पर पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं के अभिभावकों से भारी भरकम रुपये वसूल रहे हैं।इस बात का खुलासा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पंजीकृत कोचिंग संस्थानों से हुआ।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश कुमार आर्य ने बताया कि एक जनवरी 2024 के मुताबिक अभी तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कुल दस कोचिंग पंजीकृत है।उन्होंने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में एपेक्स कोचिंग क्लासेज रानोपाली, श्री एन एस वी सिंह कोचिंग सेंटर शिवतर सराय खर्गी बीकापुर, उज्जवल आईएएस कोचिंग नाका रायबरेली मार्ग,यूनिक एकेडमी कोचिंग संस्थान बेनीगंज, कृष्णा ट्यूटोरियल कोचिंग पूरा बाजार, शास्वत कोचिंग इंस्टीट्यूट श्री राम पुरम कालोनी, सुधांशु इनोवेशन क्लासेज जगत हास्पिटल के सामने नाका, सरस्वती कोचिंग सेंटर हाजीपुर सिंहपुर सोहावल, महेन्द्रा कोचिंग रायबरेली मार्ग नाका,रायल कोचिंग क्लास ही पंजीकृत हैं। शेष जिले में चाहे वह शहरी क्षेत्रों में कोचिंग संस्थान स्थापित है या फिर ग्रामीण क्षेत्रों में हो सभी अवैध रुप से संचालित हो रहे हैं।जिस पर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय शीघ्र ही शिकंजा कसने जा रहा है। इसके लिए विभाग रणनीति भी बना लिया है।उन्होंने बताया कि शहर में अवैध रुप से संचालित कोचिंग की जांच के लिए नोडल अधिकारी के रुप तुलसी बालिका इंटर कालेज की प्रधानाचार्या को जिम्मेदारी सौंपी गई है वही सभी विकास खण्डों में संबंधित राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य को नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।जो अपने क्षेत्रों में अवैध रुप से संचालित कोचिंग संस्थानों की सूचना पन्द्रह दिन के भीतर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को उपलब्ध करायेगे।जिसके आधार पर उन अवैध रुप से संचालित संचालकों पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने बताया कि इन पर लगभग एक लाख रुपये तक जुर्माना भी लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जो भी लगभग एक दर्जन कोचिंग संस्थानों की पत्रावली कार्यालय में पंजीकृत होने के लिए आयी है वह भी अपूर्ण है जिसके चलते उसे भी निरस्त किया जायेगा।मजे की बात तो यह है कि इंटर तक की अवैध रुप से संचालित कोचिंग संस्थानों को छोड़िए सबसे अधिक उन छात्रों के अभिवावक ठगे जा रहे हैं जो बाहर से आये नामी गिरामी कोचिंग सेंटर के शाखाओं में अपने बच्चों का पंजीकरण कराये है। उन्हें नहीं पता कि उक्त कोचिंग अवैध रुप से संचालित हो रही है।

शिष्यों ने बिछाए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के रास्ते में फूल, शिष्यों ने की पुष्प वर्षा

गोरखपुर, संवाददाता। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी यात्रा सोमवार को आस्था और उत्साह का संगम बन गई। गोरखपुर के सहारा इस्टेट के भारत माता मंदिर के सामने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में विराजमान हुए। शिष्यों ने पुष्प वर्षा की। मातृशक्ति ने कलशयात्रा निकाली। गाजे–बाजे के साथ पालकी यात्रा निकली तो हर कोई भक्तिभाव में मगन हो गया। दोपहर बाद शहर में आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी सहारा इस्टेट के बाहर पार्क में रुकी तो मातृ शक्ति ने उनकी आरती उतारी। उसके बाद वे व्यासपीठ पर विराजमान हुए। गोरखनाथ मंदिर के सात पुरोहितों ने चरण पादुका पूजन कराया। पालकी में जगदगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के चरण पादुका की पूजा भक्तों ने की।

सुजानगंज राष्ट्रीय पीजी कालेज में मतदाता जागरूकता हेतु हेलो वोटर्स एवम मेंटोरिंग युवा भारत का आयोजन सम्पन्न

क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। राष्ट्रीय पीजी कॉलेज सुजानगंज के स्वामी विवेकानंद सभागार में आज हेलो वोटर्स एवम मेंटोरिंग युवा भारत का आयोजन मतदाता जागरूकता महोत्सव का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उप प्रधानाचार्य डा लाल बहादुर यादव द्वारा अतिथियों का स्वागत एवम परिचय कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपजिला अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश ने उपस्थित छात्रों को लोक सभा चुनाव में निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से स्वविवेक से मतदान करने हेतु प्रेरित किया साथ ही कहा युवा हमारे देश की रीढ़ हैं । भारत में सबसे अधिक संख्या में युवा है जो जोश से परिपूर्ण है । छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आयोग के निर्देश के क्रम में अब 18 वर्ष गणना की तिथि 1 अप्रैल मानी जायेगी अतः ऐसे युवा जो उक्त तिथि को 18 वर्ष के हो जाएंगे वो भी फॉर्म 6 को 25 अप्रैल तक भर कर मतदाता बन सकते हैं। मतदाता बनने के लिए ऑफ लाइन मध्यम से बीएलओ के पास जमा कर तथा ऑनलाइन मध्यम से एनवीएसपी पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से फॉर्म एवम आवश्यक दस्तावेज जमा कर वन सकते है जिसका सत्यापन बीएलओ के माध्यम से कराया जा सकता है। डॉ ज्ञान प्रकाश के द्वारा एक पीपीटी के माध्यम से हेलो वोटर्स के अंतर्गत विधिवत प्रदर्शन एवम परीक्षण भी प्रस्तुत किया गया। इसमें c-vigil, केवाईसी वोटर टर्नआउट एप, सुविधा एप, सक्षम एप के विषय में भी बताया तथा इनको गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने का तरीका भी समझाया। डिप्टी कलेक्टर प्राजक्ता त्रिपाठी ने जोश भरते हुए मतदान संबंधी नारे एवम मतदाता सुभांकर की चर्चा की और बताए इसमें ये सुपर गर्ल और सुपर बॉय हैं । यह युवा ही हमारी असली संदेश वाहक हैं या यूं कहो ब्रांड एंबेसडर हैं। ज्ञानस्थली फाउंडेशन लखनऊ की ट्रस्टी एवम ज्ञानस्थली क्लासेज की सीईओ अलका प्रकाश द्वारा संस्था के शिक्षित भारत संकल्प के अंतर्गत मेंटोरिंग युवा भारत को चुनावी जागरूकता महोत्सव से साथ जोड़ने की बात कही। जिस तरह से छात्र अपने कैरियर का चुनाव हेतु जागरूक रहते हैं उसी प्रकार चुनाव में अपने जन प्रतिनिधि को चुनने को लेकर जागरूक एवम सजग रहें। किस प्रकार आगामी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं पर चर्चा कर नोट्स बनाने की कला, उत्तर लिखने के तरीके यथा रेखा चित्र, पिक्टोरियल प्रतुति आदि के विषय में बताया । छात्रों द्वारा भी इस कार्यक्रम चुनाव एवम परीक्षा से सम्बंधित प्रश्न पूछे जिनके उत्तर पाकर खुश एवम सन्तुष्ट नजर आए। बीडीओ सुजानगंज यू सी चतुर्वेदी द्वारा उपस्थित छात्रों एवम विद्यालय परिवार के लोगो को मतदाता शपथ दिलाई गई तथा आग्रह किया कि वो सभी न केवल स्वयं बल्कि अन्य लोगो को भी मतदान हेतु प्रेरित करेंगे।

उक्त कार्यक्रम में धन्यवाद कॉलेज के प्रधानाचार्य डा राकेश कुमार पांडेय द्वारा किया गया साथ ही कहा गया कि इस प्रकार के कार्यक्रम की आवश्यकता है आज चुनाव और शिक्षा का अद्भुत संगम देखने को मिला जिसके लिए हम आपका एवम सभी का शुक्रिया अदा करते है। उक्त कार्यक्रम विद्यालय के समस्त शिक्षक एवम शिक्षिकाओं, नायब तहसीलदार मछलीशहर द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत पर पथराव

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन से सोमवार की रात वाशिंग लाइन जाते समय फुलवरिया के पास 22416 वंदे भारत एक्सप्रेस पर तीन लड़कों ने पथराव कर दिया। इस दौरान वंदे भारत के चार कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। कैंट आरपीएफ ने तीन अज्ञात के खिलाफ रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। मंगलवार की सुबह आसपास क्षेत्रों में आरपीएफ की टीम ने चेकिंग अभियान भी चलाया।

यह है मामला

ट्रेन संख्या 22416 नई दिल्ली–वाराणसी वंदे भारत अपने निर्धारित समय रात लगभग 11 बजे कैंट स्टेशन पर पहुंची। यात्रियों के उतरने के बाद ट्रेन के लिए लोहता साइड वाशिंग लाइन की ओर रवाना हुई। फुलवरिया के पास ट्रेन पहुंची थी कि अचानक ट्रेन पर पत्थरबाजी शुरू हो गई। देखते ही देखते तीन से चार कोच के शीशे चकनाचूर हो गए। वंदे भारत के पायलट और गार्ड ने इसकी सूचना कंट्रोल को दी। सीनियर डीएमई समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच क्षतिग्रस्त शीशे की मरम्मत की। वहीं, पायलट ने रेलवे सुरक्षा एजेंसियों को पूछताछ में बताया कि ट्रैक से गुजरे समय तीन लड़के रात में देखे गए थे। जीआरपी, आरपीएफ ने रात में ही छानबीन की लेकिन कोई हाथ नहीं लगा। रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य आरोपों में आरपीएफ कैंट पोस्ट ने तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलटने से दो सगी बहनों की मौत हो गई

मिर्जापुर, संवाददाता। मिर्जापुर जिले के हलिया थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव स्थित जोगीबीर बंधी पर मंगलवार की दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहां ट्रैक्टर पलटने से उस पर बैठी दो सगी बहनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चालक व एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आनन– फानन घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देख कर मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी।

हलिया थाना कुशियरा गांव के बंधवा मोहल्ला निवासी 60 वर्षीय सियाराम उर्फ कलक्टर अपने ट्रैक्टर पर नातिन मधु (10) उर्फ कुसुम व रंजना (08) उर्फ जया व ढाई वर्षीय नेहा पुत्री रमेश कोल के साथ ट्राली पर परिवार के अन्य सदस्यों को बैठाकर गांव के ही हनुमान मंदिर में कीर्तन के आयोजन के लिए जा रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर– ट्राली कुशियरा गांव के जोगीबीर बंधी पर चढ़ाई चढ़ने लगा कि अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे ट्रैक्टर पर बैठी मधु व रंजना की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर चालक सियाराम व मृत बच्चियों की छोटी बहन नेहा गंभीर रूप से घायल हो गई। ट्राली पर बैठे लोगों के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुखीचंद्र सिंह व ग्रामीणों ने आनन फानन घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया निजी साधन बोलेरो से पहुंचाया। जहां प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर एसआई बाली मौर्य व हेड कांस्टेबल इमरान व राजेश मौर्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पंहुचकर मामले की जांच पड़ताल करते हुए कार्रवाई में जुट गए।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश सोशल आउटरीच कांग्रेस की विधानसभा स्तरीय कार्य समिति की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश सोशल आउटरीच कांग्रेस की विधानसभा स्तरीय कार्य समिति की बैठक विभाग के चेयरमैन विक्रम पाण्डेय की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश श्री अविनाश पाण्डेय, तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित सोशल आउटरीच कांग्रेस के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश श्री अविनाश पाण्डेय जी ने कहा कि देश में हो रहे लोकसभा चुनाव में खासतौर पर उत्तर प्रदेश में हम सभी को युद्धस्तर पर कार्य करते हुए इंडिया गठबंधन की अधिक से अधिक सीटों पर जीत हासिल करना है। और इसके लिए हमें आज से ही संकल्प लेने की आवश्यकता है। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय जी ने कहा कि सोशल आउटरीच विभाग के समस्त पदाधिकारियों, जिलाध्शहर अध्यक्षों एवं विधानसभा अध्यक्षों को आज से ही आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़–चढ कर पूरी मेहनत से कार्य करने की आवश्यकता है। आप सभी गांव–गांव शहर–शहर जाकर कांग्रेस के संदेश को जन–जन तक पहुंचाये मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूं। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि आप पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को विजयी बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। बैठक में पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, इन्दल रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रशासन प्रभारी दिनेश सिंह, सुशीला पासी, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, प्रवक्ता अंशू अवस्थी, सोशल मीडिया विभाग की चेयरपर्सन पंखुड़ी पाठक सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आग लगने से तीन कच्चे मकानों में रखा सामान जलकर राख

मिर्जापुर, संवाददाता। सिटी विकास खंड के दुबरा पहाड़ी स्थित हर्रई में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से एक के बाद एक तीन कच्चे घर जल गए। आग बुझाने के चक्कर में एक व्यक्ति झुलस गया। जिसे एंबुलेंस के जरिए उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। आग लगने से तीनों घरों में राशन सहित घर व गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया है।

यह है मामला

जानकारी के मुताबिक हर्रई निवासी लल्लू बिंद का परिवार खेत में काम कर रहा था। इसी बीच संदिग्ध परिस्थितियों में उसके झोपड़ी में आग लग गई। घर से उठता धुंआ देख बाहर बैठे बच्चे चिखने–चिल्लाने लगे। शोरगुल सुनकर जब तक लोग दौड़ते, इससे पहले ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की सूचना पर खेत में काम कर रहा लल्लू घर के अंदर से सामान निकालने के लिए घूस गया। आग की चपेट में आने से वह 40 प्रतिशत झुलस गया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए ग्राम प्रधान जयशंकर बिंद, ग्राम प्रधान टांड़ मालिका प्रसाद बिंद सहित ग्राम विकास अधिकारी राजाराम निर्मल मौके पर पहुंच गए। झुलसे व्यक्ति को एंबुलेंस से उपचार के लिए भेजते हुए समर्सिबल चलाकर जब तक आग बुझाने का प्रयास किया जाता, एक के बाद एक संगीता पत्नी स्व. पप्पू व गुड्डू पुत्र राजमनी बिंद के घर भी आग की चपेट में आकर जल गए। आग लगने से घर में रखा टीवी, पंखा, साईकिल, राशन, बिस्तर सहित बच्चों के किताब और कॉपी आदि जलकर राख हो गए। आग के चलते घर के आसपास स्थित पेड़ की पत्तियां झुलस गईं। ग्राम विकास अधिकारी राजाराम निर्मल ने बताया इसकी सूचना क्षेत्रीय लेखपाल को दे दी गई है।

युवती से फोन पर बोला...मुझसे बात करो..मना की तो पिस्टल लेकर पहुंचा सिरफिरा आशिक

गोरखपुर, संवाददाता। रामगढ़ताल के लोहिया इन्क्लेव के पास रहने वाली युवती के घर से रविवार रात एक युवक को पुलिस ने पिस्टल संग गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से तीन कारतूस भी मिले हैं। युवक युवती पर फोन कर बात करने का दबाव बना रहा था और मना करने पर पिस्टल लेकर उसके घर पहुंच गया, लेकिन इसके पहले ही परेशान युवती ने पुलिस को घटना की जानकारी दे दी थी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर ली। उसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया। उसके ऊपर सात केस पहले से दर्ज हैं, जिसमें लूट, मारपीट व बलवा जैसे मामले शामिल हैं। आरोपी की पहचान बांसगांव के साईताल निवासी प्रतीक शुक्ला के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, एक युवती लोहिया इन्क्लेव के पास किराए पर रहती है। प्रतीक शुक्ला उसे अक्सर फोन कर बात करने का दबाव बनाता है। एक बार युवती की मौखिक शिकायत पर पुलिस ने उसे समझाया तो वह युवती को पत्नी बताने लगा, लेकिन शादी का कोई प्रमाण नहीं दिखा पाया। इसके बाद पुलिस ने उसका शांतिभंग में चालान कर दिया था, लेकिन अब वह युवती के पीछे पड़ गया है। बताया जा रहा है कि रविवार रात में वह युवती को फोन कर भला–बुरा कहने लगा और फिर रात में ही बात करने और मिलने का दबाव बनाने लगा। उसने धमकी भरे अंदाज में घर आने की बात कही तो युवती घबरा गई। युवती ने इसकी सूचना तत्काल एसओ राम गढ़ताल इत्यानंद पांडेय को दी। सूचना पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची तो चंद मिनट पहले ही आरोपी प्रतीक भी वहां पर पहुंच चुका था।

पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ लगा रहे युवक की मौत

कुशीनगर, संवाददाता। थाना क्षेत्र के बेदूपार के मैदान में सोमवार की सुबह पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवक की दौड़ लगाते समय मौत हो गई। थाना क्षेत्र के खोठठा गांव निवासी श्यामू (26) पुलिस भर्ती की तैयारी के लिए बेदूपार फील्ड में दौड़ लगा रहा था। उसके साथ दौड़ लगा रहे युवकों के मुताबिक, श्यामू फील्ड का दो चक्कर दौड़ पूरा कर लिया था। इसी दौरान उसे कुछ महसूस हुआ और वह बीच में ही बैठने का प्रयास किया लेकिन अचानक जमीन पर गिर गया।

वहां पर मौजूद उसके साथियों ने उसके मोबाइल फोन से परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और श्यामू को पीएचसी सुकरौली लेकर गए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

साान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।